भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 5433

उत्तर देने की तारीख 25 मार्च, 2026 (बुधवार)

04 चैत्र, 1948 (शक)

प्रश्न

समृद्धि उत्तर पूर्व 2026

5433. **श्रीमती कमलेश जांगडेः**

श्री दिलीप शइकीयाः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या समृद्धि उत्तर पूर्व 2026-उद्यमी शिखर सम्मेलन के माध्यम से इस क्षेत्र में 500 से अधिक स्टार्टअप और कारीगरों के लिए प्रत्यक्ष व्यापार-से-व्यापार (बी-टू-बी) संबंध स्थापित किए गए हैं;

(ख) अष्टलक्ष्मी दर्शन युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम ने उत्तर पूर्व के आठ राज्यों के छात्रों के बीच किस प्रकार सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा दिया है;

(ग) फरवरी, 2026 में हथकरघा क्षेत्र के लिए उन्नत प्रबंधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कौन-कौन से विशिष्ट लक्ष्य हासिल किए गए हैं;

(घ) क्या मिजोरम में स्थापित नई अदरक प्रसंस्करण इकाई स्थानीय मसाला किसानों की आय को दोगुना करने में सफल रही है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के तुलनात्मक आंकड़ों का ब्यौरा क्या है; और

(च) 'फुटबाल फॉर स्कूल्स' पहल के अंतर्गत इस क्षेत्र में जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए 87,000 से अधिक फुटबॉल किस प्रकार वितरित किए गए हैं?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) टीआईडीई (यूकेस्थित संगठन), फाउंडेशन फॉर एमएसएमईक्लस्टर्स (एफएमसी), और पहले इंडिया फाउंडेशन (पीआईएफ) के सहयोग से पूर्वोत्तर हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी) लिमिटेड, गुवाहाटी में दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन के रूप में "समृद्धि नॉर्थईस्ट 2026" का आयोजन किया गया था। बी2बी सत्र में कुल 15 विक्रेताओं ने भाग लिया, जो मुख्य रूप से हस्तशिल्प क्षेत्र से थे। इन विक्रेताओं को एफएमसीद्वारा जुटाया और सुविधा प्रदान की गई। खरीदार के रूप में रिलायंस, फ्लिपकार्ट और पोस्टकार्ड होटल्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(ख) उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के अंतर्गत उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा कार्यान्वित अष्टलक्ष्मी दर्शन युवा विनिमय कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र और शेष भारत के बीच जन-दर-जन संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कार्यक्रम 14-दिवसीय गहन युवा विनिमय पहल के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें पूर्वोत्तर राज्यों में शैक्षणिक सत्र, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विरासत स्थलों का भ्रमण और सामुदायिक भागीदारी शामिल है। यह कार्यक्रम देश भर से आए युवा प्रतिभागियों को इस क्षेत्र की संस्कृति, परंपराओं और विकास संबंधी आकांक्षाओं से सीधे तौर पर अवगत होने का अवसर प्रदान करता है, जिससे आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। इस कार्यक्रम के तहत 28 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से लगभग 1,280 छात्रों की भागीदारी की परिकल्पना की गई है, जिन्हें कई बैचों में विभाजित कर आठों पूर्वोत्तर राज्यों का भ्रमण एवं अनुभव कराया जाता है। क्षेत्र भ्रमण, व्याख्यान और स्थानीय समुदायों व संस्थाओं के साथ बातचीत जैसी सुनियोजित गतिविधियों के माध्यम से, प्रतिभागी इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता की गहरी समझ हासिल करते हैं और आपस में स्थायी व्यक्तिगत संबंध विकसित करते हैं। 17.03.2026 तक, 12 बैचों में कुल 471 छात्रों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

(ग) शैक्षणिक और डिज़ाइन भागीदार के रूप में राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडी),जोरहाट के सहयोग से एनईएचएचडीसीद्वारा हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए “उन्नत प्रबंधन विकास कार्यक्रम” (एएमडीपी) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को छह-दिवसीय आवासीय क्षमता-निर्माण पहल के रूप में तैयार किया गया था, जिसमें सुनियोजित सत्र और एक क्षेत्र भ्रमण शामिल थे। एएमडीपीके परिणामस्वरूप हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों के प्रतिभागियों में प्रबंधकीय, डिज़ाइन और विपणन संबंधी क्षमताओं में मज़बूती आई, जिससे वे ज़्यादा व्यवस्थित, विस्तार-योग्य और बाज़ार के लिए तैयार उद्यमों की ओर बढ़ सके।

(घ) और (ङ) उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा ऐसी कोई परियोजना मंज़ूर नहीं की गई है।

(च) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के सहयोग सेदेश भर के स्कूली छात्रों के लिए 'स्कूलों के लिए फुटबॉल' (एफ4एस) कार्यक्रम शुरू किया है, जोफीफा का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के माहौल में छात्रों, चाहे वे लड़का हों या लड़की, के लिए फुटबॉल की पहुँच को काफ़ी हद तक बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के तहत, पूरे भारत में 1.5 लाख से अधिक स्कूलों में लगभग 9.80 लाख फीफाफुटबॉल बांटे जाने हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में, नोडल संस्थाओं अर्थात नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) और केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के माध्यम सेइस क्षेत्र के विभिन्न प्रबंधन वाले लगभग 11,000 पात्र स्कूलों में 59,000 से ज़्यादा फुटबॉल बांटने का काम शुरू कर दिया गया है।

*****